an>

Title: Regarding sexual exploitation of a woman judge by a senior judge.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : अध्यक्षा जी, यौन उत्पीड़न का एक बहुत ही संगीन मामला सबके सामने आया है। एक महिला जज जो कि अपर ज्यूडिशरी में सैशन जज है, हाई कोर्ट के जज द्वारा उनका यौन उत्पीड़न किया गया है। ...(व्यवधान) एक ऐसा स्थल जो कि हम सब के लिए पूजनीय है, जितनी संसद पूजनीय है, उतनी ही कोर्ट-कचहरी हम सबके लिए पूजनीय है। मुझे लगता है कि जो हमारी संस्कृति है और जो हमारे देश का संविधान है, उसके मुताबिक महिलाओं को आर्टिकल 14 के तहत, अपने जीवन का और अपने कार्य को अधिकार है और ऐसे में, right to work, right to life of a woman has been affected and the State has a right to protect such officers. अगर इस तरह की चीज़ें ऐसी पूजनीय स्थल पर होंगी तो महिलाएं अपने आप को कहीं भी सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी। मैं सरकार का ध्यान, कोर्ट-कचहरी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ और हमारी संस्कृति में एक श्लोक है

" यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः

यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते र्सवास्तत्राफलाः क्रियाः"

जहां पर नारी की पूजा होती है, वहां पर देवता वास करते हैं। लेकिन जहां पर नहीं होती, वहां पर फल भी निष्फल हो जाता है। कोर्ट-कचहरी का कोई लाभ नहीं है, अगर महिलाएं अपने आप को उस जगह पर सुरक्षित नहीं पाएंगी, and people, who are supposed to dispense justice, are engaging themselves in such a shameful act. I call for its condemnation. I want to bring this incident to the notice of this House. It is a condemnable act and I think everyone must support for this particular cause. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष :

श्री पी.पी.चौधरी,

श्री एम.बी.राजेश,

श्री पी.के.बिजू,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश एवं

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल स्वंय को श्रीमती मीनाक्षी लेखी के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

अधीर रंजन जी, आप क्या कह रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप इसी विषय पर बोलेंगे?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, वह बात तो हो गई है। लेकिन जो बन्दोपाध्याय जी ने सवाल उठाया था। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उन्होंने एक जनरल बात कही थी।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम, चौधरी साहब भी वही बात कर रहे थे। ...(व्यवधान) सडनली वह बीच में अधूरी रह गई ...(व्यवधान) आप उनको एलाउ कर दीजिए, उसके बाद में आप निर्णय ले सकते हैं कि उसको चर्चा में लाना है या नहीं लाना है। ...(व्यवधान)